# नारीलोक

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का मासिक मुखपत्र

मार्च, 2025 अंक 320



अध्यक्षीय कार्यालय :

SARITA DAGA

45-46, Gem Enclave, Pradhan Marg,
Malviya Nagar,Jaipur-302017
Mob.: 9413339841
Email: president@abtmm.org


## अध्यक्षीय आह्वान

प्रिय बहिनों,

सादर जय जिनेन्द्र!

किसी भी संगठन से जुड़कर कार्य करना अपने आप में आत्मतोष की अनुभूति करवाने वाला होता है फिर संगठन अगर मर्यादित, अनुशासित तेरापंथ धर्मसंघ के अंतर्गत कार्य करने वाला हो तो सोने में सुहागा जैसा होता है। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का वृहद संगठन भी महिलाओं के लिए दिशाबोध का काम करता है। संगठन से जुड़कर कार्य करने वाली प्रत्येक बहिन गर्व की अनुभूति करती है।

बहिनों! इस माह 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस भी है। यह दिवस महिला जागरण, अधिकार एवं कर्त्तव्य के प्रति जागरूक बनने की प्रेरणा देता है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हम केवल अधिकार की ही बात न करे अपितु अपने दायित्व को भी समझे। अधिकार के साथ दायित्व भी जुड़े रहते है। निश्चित रूप से महिला शक्ति ने बहुत प्रगति की है और प्रगति पथ पर अग्रसर भी है। आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिला जाति ने हर क्षेत्र में अपना परचम फहराया है। अपने नैसर्गिक गुणों को संरक्षित रखते हुए स्वतंत्रता से कार्य करने के लक्ष्य को भी छूआ है। अपने पुरुषार्थ, प्रतिभा, चिंतन एवं विवेक से नित नए आयाम स्थापित करना- मानों नारी शक्ति का पर्याय बन गया है। आचार्य महाप्रज्ञ जी ने एक सूत्र दिया- 'रहो भीतर, जिओ बाहर'। हम इस सूत्र को भी हृदयांगम करें और बाहर की दुनिया में बढ़ते कदमों को गतिशील बनाते हुए भीतर के आलोक को भी प्रकाशित करे। इस हेतु दर्पण का उदाहरण हमारे सामने है जो हमारी सही तस्वीर प्रस्तुत करता है। दर्पण (DARPAN) के छह अक्षर हमारे दिशा-सूचक बन सकते है। **D- Duty**: हम अपने दायित्व के प्रति सतत् जागरूक रहें। **A- Attitude** : हमारा रवैया सदा सकारात्मक रहे। **R- Responsible**: हर स्तर पर हम अपने कार्यों के प्रति जवाबदेही बने। **P- Punctual**: समयबद्ध कार्य करना हमारी दिनचर्या का अंग बने। **A- Aware**: प्रत्येक कार्य को सजगता से करते हुए हम अपना **best** दे। **N - New Era**: युग के साथ बढ़ते परिवेश को भी समझे, संरक्षणम् के सूत्र के साथ लक्ष्य की ओर प्रवर्द्धमान रहे।

बहिनों! इसी मार्च माह में आज से लगभग तीन वर्ष पूर्व नारी शक्ति की प्रेरणास्त्रोत शासनमाता साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभाजी का प्रयाण हो गया था। धर्म संघ के तीन-तीन यशस्वी आचार्यों की कुशल अनुशासना में आप द्वारा प्रदत्त अनन्त उपकारों को हम कभी विस्मृत नहीं कर पाएंगे। महिला शक्ति आपके उपकारों के प्रति चिरऋणी है। आपकी तृतीय पुण्यतिथि पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल परिवार आपको सादर वंदन करते हुए हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

बहिनों! मार्च माह में हमारा दायित्व परिवार के प्रति भी बढ़ जाता है। एक तरफ जहाँ बच्चों की परीक्षा का यह समय है वहीं दूसरी तरफ व्यवसायिक दृष्टि से वित्तीय वर्ष का यह अंतिम माह भी है। इसी माह रंगों का त्यौंहार होली भी है तो हमारे जीवन में भी अध्यात्म, भक्ति और श्रद्धा के रंग भरे। हम सामाजिक दायित्व के साथ-साथ पारिवारिक दायित्व में भी सक्रिय सहभागिता निभाएं। सबके प्रति मंगल कामना के साथ-

शुभाकांक्षी

Sarita Daga

सरिता डागा

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष

# शुभाशंसा

विश्व क्षितिज पर प्रतिवर्ष 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। इस दिवस के उपलक्ष्य में महिलाएं चिंतन करे- हमें किस दिशा में गति करना है? हमें आधुनिक बनना है या आध्यात्मिक। आधुनिक बनने के लिए भौतिकता के क्षेत्र में प्रवेश किया जाता है, वहाँ प्रतिस्पर्धा है। जहाँ प्रतिस्पर्धा है वहाँ अशांति है। आध्यात्मिक बनने के लिए त्याग की दिशा में आगे बढ़ना होगा। जहाँ त्याग है वहाँ शांति है। हर महिला चाहती है कि मेरे जीवन में शांति हो, समाधि हो। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की बहिनें यह संकल्प करें कि हमें आधुनिक नहीं, आध्यात्मिक बनना है, त्याग की चेतना का जागरण करना है और असीम शांति का अनुभव कर मनुष्य जन्म को सफल और सार्थक बनाना है।

मांडवी (कच्छ)

–साध्वी प्रमुखा विश्रुतविभा

## 'शासनमाता' 'असाधारण' साध्वी प्रमुखा श्री कनकप्रभाजी

## श्रद्धा सुमन

तृतीय वार्षिक पुण्यतिथि

फाल्गुन शुक्ल 14
13 मार्च, 2025

वह कौन जिसे मेरा मन चाहे बार-बार वंदन करना,
जिसकी नजरों में बहता था नित करुणा का पावन झरना,
वह वही जिसे मेरा मन चाहे बार-बार वंदन करना॥

वह स्वयं शक्ति थी औरों में भी शक्ति जगाने को तत्पर,
वह स्वयं सिद्धि निज वाणी से जागृत विवेक करती सत्वर।
वह स्वयं शिवा कल्याणी - चाहा मृण्मय में जीवन भरना,
वह वही, जिसे मेरा मन चाहे बार-बार वंदन करना॥

जिसके नयनों में नव विकास का सुन्दर सा इक नक्शा था,
जिसके हाथों को गढ़ने का वरदान नियति ने बख्शा था।
पारस सम जिसका चरण-स्पर्श, अधदल भंजन दर्शन करना,
वह वही. जिसे मेरा मन चाहे बार-बार वंदन करना॥

जिनकी आभा में 'कनकप्रभा' जिनके वचनों में भरी सुधा,
जिनके लेखन में मुखरित है सब गद्य-पद्य साहित्य विधा।
'केशरक्यारी' की महा महक, आसान नहीं अंकन करना,
वह वही, जिसे मेरा मन चाहे बार-बार वंदन करना॥

संघ के इतिहास में अंकित अमिट उज्ज्वल छवि,
सबके हृदय में ध्रुव अटल वह नित्य ज्योतिर्मय जयी।
उस परम पावन आत्मा को अर्पित भावों के सुमन,
श्रद्धांजलि सविनय समर्पित श्रद्धासित शत-शत नमन-2॥

श्रद्धाप्रणत - चिरऋणी
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

# तेरापंथ महिला मंडल
# करणीय कार्य

## अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोज्य

**'मैं नारी हूँ, मैं हूँ स्वर, कभी कोमल, कभी प्रखर।**
**मैं बहती अविरल धारा हूँ, साहस की मैं जयकारा हूँ।**
**मैं शक्ति का सम्मान हूँ, सृजन और उत्थान हूँ।**
**हर युग में मेरी गाथा है, मुझमें ही दुनिया की कथा है।'**

'नारीत्व' सिर्फ एक पहचान नहीं, बल्कि एक महोत्सव है– जो हर क्षण अपनी ऊर्जा से दुनिया को संवारता है और हर स्वर से बदलाव की गूंज बनता है। नारी के सृजन, संघर्ष और सफलता के सम्मान में समर्पित है– अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस।

8 मार्च केवल एक तारीख नहीं, बल्कि नारी के अस्तित्व का गौरवगान है। यह उस शक्ति का उत्सव है, जो अपनी पहचान खुद गढ़ती है। यह दिन समानता की पुकार और संघर्ष की जीत का प्रतीक है। नारी केवल एक भूमिका नहीं, बल्कि हर कहानी की सूत्रधार है। यह उत्सव केवल महिलाओं के लिए ही नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति के लिए भी एक अवसर है कि वह महिलाओं के सम्मान और समानता के लिए आगे बढ़े। तो आइए, इस वर्ष महिला दिवस पर 'स्वरधारा' के माध्यम से इस गौरव यात्रा को जीवंत करें।

**स्वरधारा कार्यक्रम के मुख्य बिंदु :**

1. कार्यक्रम में प्रमुखता से महिला कवित्रियों को आमंत्रित करें।
2. कार्यक्रम में विभिन्न महिला संगठनों और संस्थाओं को विशेष रूप से आमंत्रित करें।
3. 'प्रेरणा सम्मान' किसी भी सम्प्रदाय अथवा समाज की ऐसी महिला को प्रदान करें, जिसने काव्य या साहित्यिक क्षेत्र में विशेष पहचान बनाई हो। (सम्मान पत्र का प्रारूप **ABTMM** की वेबसाइट एवं इस 'नारीलोक' में उपलब्ध है।)

**कार्यक्रम की रूपरेखा (कवि सम्मेलन)**

* जहाँ तक संभव हो सके चारित्रात्माओं के सान्निध्य में कार्यक्रम करें।
* विभिन्न कवि/कवित्रियों द्वारा नारी के सृजन, संघर्ष और सफलता से संबंधित विषयों पर काव्य पाठ।
* प्रेरणा सम्मान।
* शेष कार्यक्रम यथा आवश्यकतानुसार।

**संयोजिकाएं :**

**CA** तरुणा बोहरा– +8976601717, डॉ. वंदना बरड़िया– +9828729792, +9779851029513.

---

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

## 'जैन तत्त्व विद्या की चाबी है– पच्चीस बोल'

तत्त्व विद्या है– आत्म विद्या। तत्त्वज्ञ श्रावक सहजता से कर लेता है हर समस्या का समाधान। तत्त्व विद्या के सूक्ष्म रहस्यों के ज्ञाता युगप्रधान आचार्य प्रवर श्री महाश्रमणजी का नववर्ष पर यह संदेश– 'समाज में आए जैन विद्या का नव उन्मेण।' पच्चीस बोल सब सीखें, समझे उसका अर्थ विशेष।' जीव–अजीव पुस्तक पढ़ कर तत्त्व ज्ञान में करें प्रवेश।

बहिनों, मार्च माह में सभी बहिनें 1 से 9 बोल सीखने–समझने और कंठस्थ करने का लक्ष्य रखें।

# अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

**पंजीकृत कार्यालय "रोहिणी" जैन विश्व भारती, लाडनूं 341306 (राज.)**

## अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

## 08 मार्च, 2025

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल नारी जागृति, समाज सेवा और बौद्धिक उत्थान के लिए सतत प्रयासरत एक प्रतिष्ठित संस्था है। तेरापंथ धर्मसंघ के ग्यारहवें आचार्य,युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के आध्यात्मिक निर्देशन में यह संगठन महिलाओं के आध्यात्मिक उन्नयन के साथ-साथ साहित्य, कला, संस्कृति और समाज सेवा के क्षेत्र में योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित कर, उनके प्रयासों को और अधिक प्रभावशाली बनाने हेतु प्रेरित करता है।

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर तेरापंथ महिला मंडल,.....(क्षेत्र का नाम) श्रीमती..... (सम्मानित व्यक्ति का नाम) को"प्रेरणा सम्मान"प्रदान करते हुए हर्ष का अनुभव कर रही है । आपकी लेखनी ने साहित्य को समृद्ध किया, समाज को नई दृष्टि दी और भावी पीढ़ियों को प्रेरित किया। आपके शब्द केवल अक्षर नहीं, बल्कि सृजन, संवेदना और समाज में जागृति का प्रकाश हैं।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में हम आपको इस सम्मान के साथ हार्दिक शुभकामनाएँ अर्पित करते है।

**निर्देशनः अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल**

## शनिवार, 08 मार्च, 2025

**सरिता डागा**
**राष्ट्रीय अध्यक्ष**

**नीतू ओस्तवाल**
**महामंत्री**

**श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल.....**

**अध्यक्ष**

**मंत्री**

**लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं**

# मार्च माह में करणीय कार्य

## प्रेक्षा प्रवाह : शक्ति एवं शांति की ओर

**सम्पूर्ण स्वस्थता है जिन्दगी की सबसे बड़ी पूंजी, योग और ध्यान का संयोग है रोग मुक्त जीवन की कुंजी, शरीर की लय और आत्मा के सद्भाव मिलकर बढ़ाते हैं, जीवन में रोग प्रतिरोधक शक्ति।**

बहिनों, हर बार की तरह इस बार भी आप सभी सक्रिय शाखा मंडलों का उत्साह और कार्यक्रम के प्रति उमंग काबिले तारीफ है। **Zoom** पर हम पाँचवीं कार्यशाला का पड़ाव पूरा कर चुके है और क्षेत्रीय स्तर पर चौथी कार्यशाला आपके सम्मुख है :

कार्यशाला का प्रारूप : विषय– **Meditate to Boost your Immunity.** योग और ध्यान के संयोग से बढ़ाये रोग प्रतिरोधक क्षमता।

* कार्यशाला का कालमान : 90 मिनट।
* मंगलाचरण : नौ मंगल भावना : 5 मिनट, * स्वागत वक्तव्य : 3 मिनट,
* योगासन : 15 मिनट (पादहस्तासन, पर्वतासन, भुजंगासन, शशांक आसन, सुप्तवज्रासन)।
* प्राणायाम – अनुलोम–विलोम : 5 मिनट।

* **Theory :**

1. विषय : **How immunity works in our body** : 15 मिनट (इस विषय पर प्रशिक्षण किसी **M.B.B.S. Doctor** को बुलाकर करवाये)।
2. विषय : प्रेक्षा ध्यान और **immune system** : 15 मिनट (इस विषय पर प्रशिक्षण चारित्रात्मा, समणीजी अथवा अनुभवी प्रेक्षा प्रशिक्षक से लें)।

* प्रयोग : 25 मिनट, 1. प्राण मुद्रा अथवा अपान मुद्रा, 2. महाप्राण ध्वनि : 9 बार, 3. नमस्कार महामंत्र के पाँचवें पद का चमकते हुए नीले रंग में शक्ति केन्द्र पर साक्षात्कार करते हुए : 7 मिनट वाचिक एवं 8 मिनट मानसिक जप करें।

* समापन विधि : शरण सूत्र, * आभार : 2 मिनट, * संचालन : कुल 5 मिनट।

विशेष ज्ञातव्य बिन्दु : कार्यशाला से संबंधित सामग्री अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के प्रेक्षा प्रवाह **WhatsApp** ग्रुप में उपलब्ध है।

* **Group** में ही कार्यशाला के बैनर का प्रारूप भी उपलब्ध है।
* प्रेक्षा फाउण्डेशन के **Zonal Coordinators** के नंबर भी ग्रुप में शेयर किये गये है। आप प्रशिक्षकों के लिए **enquiry** इनसे कर सकते है।
* ये कार्यशाला आप सबके आध्यात्मिक उत्थान में सहयोगी बने, मंगल कामना।

– संयोजिकाः श्रीमती वीणा बैद, 9448063260.

---

## जैन स्कॉलर योजना

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत संचालित 'जैन स्कॉलर योजना' का पाँचवां बैच दिनांक 19 मार्च, 2025 को प्रारम्भ होने जा रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष की उपस्थिति में चारित्रात्माओं के सान्निध्य में दिनांक 19 मार्च को इसका उद्घाटन होगा। ये बैच 2028 में सम्पूर्ण होगा। इस बैच में लगभग 45 भाई–बहिन जैन स्कॉलर बनने की प्रक्रिया में पहला कदम रखेंगे। चतुर्थ बैच की परीक्षाएं दिनांक 28–29 मार्च, 2025 तक चलेगी। चतुर्थ बैच का यह अंतिम परीक्षा सत्र होगा। जैन स्कॉलर पाठ्यक्रम की निदेशिका डॉ. मंजू नाहटा एवं सह निदेशिका श्रीमती कनक बरमेचा की देखरेख में सभी कक्षाएं आयोजित होंगी। संयोजिका श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा एवं सह संयोजिका श्रीमती विनीता बैंगानी व्यवस्था संबंधी कार्यों का निरीक्षण करेगी।

इस योजना को आर्थिक मजबूती प्रदान कराने हेतु श्रीमान मदन जी–श्रीमती प्रकाश देवी, श्रीमान महेन्द्र जी–श्रीमती कांता देवी, श्रीमान निर्मल जी–श्रीमती शर्मिला तातेड़ परिवार (मुम्बई–धानिन)का हार्दिक आभार।

| जैन स्कॉलर निदेशिका | जैन स्कॉलर सह–निदेशिका | संयोजिका | सहसंयोजिका |
|---|---|---|---|
| डॉ. मंजू नाहटा | श्रीमती कनक बरमेचा | श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा | श्रीमती विनीता बैंगानी |

संरक्षणम्

# अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में कोटा स्तरीय आंचलिक कार्यशाला 'संरक्षणम्'

19 फरवरी, 2025, कोटा।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेमम., कोटा द्वारा कोटा संभागीय आंचलिक कार्यशाला 'संरक्षणम्' का आयोजन आचार्यश्री महाश्रमणजी की आज्ञानुवर्ती शासनश्री साध्वीश्री धन श्रीजी के सान्निध्य में आयोजित हुआ। नमस्कार महामंत्र से प्रारंभ कार्यशाला में राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री एवं टीम द्वारा संरक्षणम् लोगो (Logo) का अनावरण किया। स्थानीय मंडल की बहिनों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया एवं तेमम., कोटा की अध्यक्ष श्रीमती मंजू सुराणा ने सबका स्वागत करते हुए 'संरक्षणम्' के बिंदुओं पर अपनी भावना रखी।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए शासनश्री साध्वीश्री धन श्रीजी ने फरमाया 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना को जीवन में उतारते हुए सोच को **positive** रखें ताकि गलतियों को सुधारा जा सके। आपने कहा कि जिसे गम का घूंट पीना आता है, उसे ही जीना आता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने अपने वक्तव्य में 'संरक्षणम्' लोगो में दिए गए 6 बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इन बिंदुओं को संरक्षित रखा जाए तो परिवार सुदृढ़ होगा। परिवार का वातावरण **positive** बना रहेगा। परिवार के सभी सदस्यों की भावनाओं को सम्मान दें। बहू और बेटी में समानता रखें, सबके प्रति कृतज्ञता का भाव रखते हुए बड़ों को आदर दें। मंडल भी एक परिवार है जिसमें सभी बहिने मिलकर काम करें। संस्था की परम्पराओं को सजीव रखे। महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों में अच्छे संस्कारों का बीजवपन करके ही परिवार को संरक्षित किया जा सकता है। संस्था की सभी बहिनें नींव का पत्थर है और सबके योगदान से ही संस्था का विकास संभव है। हम अपनी मर्यादाओं के अनुसार कार्य करे।

साध्वी शील यशाजी ने अपने वक्तव्य में परिवार संरक्षणम् की महत्ता को समझाते हुए बताया कि हम अपना कार्य ऐसा करे जिससे किसी दूसरे का अहित ना हो। पारिवारिक संबंधों में माधुर्य रखें और श्रद्धा, सेवा, समर्पण की भावना को महत्व दे। मुख्य वक्ता श्रीमती जोली भंडारी ने जीवन में जैनत्व के संस्कारों को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि जैन धर्म के 5 महाव्रतों को समझे एवं छोटे-छोटे त्याग, तप को जीवन का हिस्सा बनाए। रा.का.स. श्रीमती मनाली चौरड़िया ने साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के संदेश का वाचन किया। रा.का.स. श्रीमती नीलिमा बैद ने भी अपनी भावनाएं व्यक्त की। सत्र का संचालन श्रीमती शिखा बाफना ने किया।

कार्यक्रम का दूसरा सत्र मंडल की बहिनों द्वारा प्रेरणा गीत के संगान के साथ प्रारंभ हुआ। रा.का.स. श्रीमती अलका बैद ने मंडल की चारों योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी देने के साथ-साथ संस्कार सेतु व **SEP (Spiritual Enhancement Program)** के बारे में उदाहरणों के माध्यम से प्रस्तुति दी। श्रीमती ज्योति चौपड़ा ने कविता की प्रस्तुति देते हुए अपने विचार रखे। बहिनों की जिज्ञासाओं का समाधान राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री द्वारा दिया गया। कार्यशाला में समागत जयपुर शहर, जयपुर सी-स्कीम, सवाई माधोपुर, बकानी, झालरापाटन आदि क्षेत्रों को **appreciation certificate** देकर उत्साहवर्धन किया गया। स्थानीय मंत्री श्रीमती सुप्रिया हीरावत ने सत्र का संचालन करते हुए आभार ज्ञापन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय टीम ने श्रीमती उषा बाफना द्वारा संचालित 'तारे जमीं पर' स्कूल का अवलोकन किया एवं श्रीमती बाफना के पुरुषार्थ, प्रतिभा एवं उत्साह को प्रेरणादायी बताया। ज्ञातव्य है कि श्रीमती उषा बाफना तेरापंथ समाज की कर्मठ महिला है।

# अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद द्वारा 'प्रवर्द्धन' कार्यशाला का आयोजन

**19 फरवरी, 2025, हैदराबाद।**

**नारी की कर्मजा शक्ति को, सारा जग करता नमन।**
**कदम सदा गतिमान करे वो, करके सुंदर प्रवर्द्धन॥**

मोतियों की नगरी हैदराबाद, भाग्यनगर में 'प्रवर्द्धन' कार्यशाला का आयोजन डीवी कॉलोनी, सिकंदराबाद भवन में किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने सेमिनार की अध्यक्षता की। कार्यक्रम के पहले सत्र का शुभारंभ राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल, आंध्रा-तेलंगाना प्रभारी श्रीमती वीणा बैद व रा.का.स. श्रीमती कविता आच्छा द्वारा नमस्कार महामंत्र के उच्चारण के साथ हुआ। स्थानीय मंडल की बहिनों ने प्रेरणा गीत की प्रस्तुति दी। स्थानीय मंडल अध्यक्ष श्रीमती कविता आच्छा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपना स्वागत वक्तव्य पेश किया। स्थानीय मंडल की बहिनों द्वारा भव्य स्वागत गीतिका की प्रस्तुति दी गई। साध्वी प्रमुखाश्रीजी के मंगल संदेश का वाचन स्थानीय मंडल की संरक्षिका श्रीमती विमलेश सिंघी द्वारा किया गया। सभी संस्थाओं की ओर से सभा अध्यक्ष श्री सुशील संचेती ने महिला मंडल को शुभकामनाएं प्रेषित की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने वक्तव्य में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल में चल रही चारों योजनाओं के विषय में, सालभर चल रहे कैंसर जागरूकता अभियान के विषय में, महिलाओं को कैसे अपने आप को आगे बढ़ाना चाहिए व कैसे सेल्फ कॉन्फिडेंस बढ़ाना चाहिए आदि विषयों पर अपना वक्तव्य दिया। पूर्व रा.का.स. श्रीमती अंजू बैद ने अपने विचार रखे। कन्या मंडल द्वारा ज्ञानवर्धक नाटिका की प्रस्तुति दी गई। प्रबुद्ध बहिनों का परिचय मंडल की बहिनों द्वारा दिया गया। प्रवर्द्धन कार्यशाला के विशेष अतिथि श्रीमती अरोमा सिंह ठाकुर (आई.जी.-आरपीएफ), श्रीमती वी. श्यामला (असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, **known as lady Singham**), श्रीमती राजकुमारी श्रीश्रीमाल, श्रीमती निर्मला भंसाली, श्रीमती सुनीता बगारिया थे। कार्यशाला का विशेष आकर्षण 'टॉक शो' में राष्ट्रीय अध्यक्ष व महामंत्री ने आमंत्रित प्रबुद्ध महिलाओं की संघर्ष यात्रा को सुना व जाना कि महिलाओं को सफल बनने के लिए किन गुणों को अपने भीतर विकसित करने की आवश्यकता है।

आंध्रा तेलंगाना प्रभारी श्रीमती वीणा बैद अपने वक्तव्य में कहा कि हमें प्रबुद्ध बनना है साथ ही साथ अपनी संस्कृति व संस्कारों को भी संजोकर रखना होगा। कार्यशाला में तेरापंथ सभा के साथ-साथ सभी संस्थाओं के गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित थे। प्रथम सत्र का संचालन श्रीमती मनीषा सुराणा व श्रीमती सुशीला मोदी के द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन उपाध्यक्ष श्रीमती नमिता सिंघी के द्वारा किया गया।

**प्रवर्द्धन कार्यशाला द्वितीय सत्र :** इस सत्र में केन्द्रीय मंडल ने शाखा मंडल की सार संभाल की और बहिनों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। अभातेममं. द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी सभी बहिनों को दी गई। श्रीमती वीणा बैद ने स्वस्थ एवं शांतिपूर्ण जीवन हेतु प्रेक्षाध्यान का प्रयोग करवाया। लगभग 250 लोगों की उपस्थिति कार्यशाला में रही। कार्यशाला में नवयुवतियों व कन्या मंडल की अच्छी सहभागिता रही। एक नाट्य रूपांतरण व कन्या मंडल के कार्यों की जानकारी कन्या मंडल द्वारा **LED Screen** पर दी गई। धन्यवाद ज्ञापन सहमंत्री श्रीमती प्रेम संचेती द्वारा दिया गया।

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

# तपोत्याग

## ।। त्याग पथ से पाये मोक्ष रथ।।

### त्रैमासिक संकल्प

**आओ बहिनों ! नव वर्ष के स्वागत में पहने त्यागरूपी नव आभूषण।**
**निहारे स्वयं को, पाए ऐसा आत्मदर्पण।**

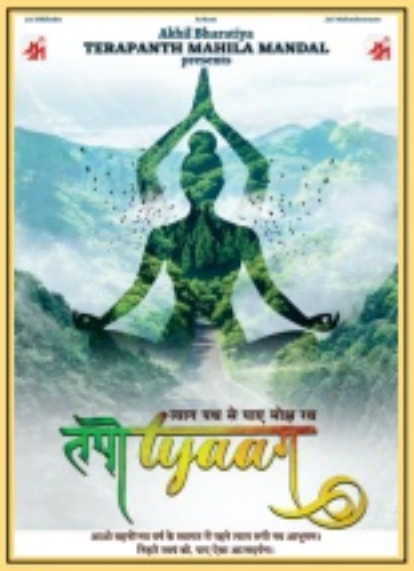


सातवां सप्ताह

आठवां सप्ताह

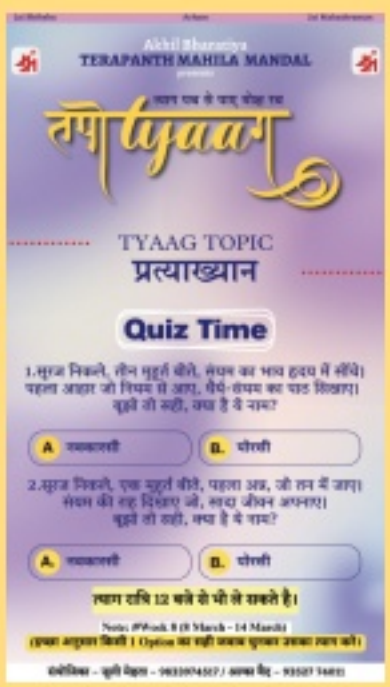


नौवां सप्ताह

त्रैमासिक संकल्पों के इस क्रम में मार्च माह के तीन साप्ताहिक संकल्प दिये गये है।
सभी शाखा मंडल अधिक से अधिक संख्या में इन संकल्पों से जुड़े।

**सातवां सप्ताह : दिनांक 1-7 Street Food त्याग :**

पोस्टर में स्ट्रीट फूड के नाम है, इसे सॉल्व कर किसी भी एक का 7 दिन तक त्याग करने का लक्ष्य रखे।

**आठवां सप्ताह : दिनांक 8-14 प्रत्याख्यान :**

इस सप्ताह आपको प्रतिदिन नवकारसी अथवा पोरसी के त्याग करने है।

ध्यान दें - रात्रि 12 बजे से ही त्याग करें।

**नौवां सप्ताह : दिनांक 15-21 सम्यकत्व का पहला सोपान सामायिक :**

यह सप्ताह रहेगा अध्यात्म का। पूरे सप्ताह में आप 3/5/7 सामायिक करने का लक्ष्य रखे।

मार्च माह का गूगल फॉर्म माह के अंत में प्रेषित किया जाएगा। सभी शाखा मंडल की अध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्र में सभी बहिनों से भरवाए। जो बहिनें नहीं भर सकती, अध्यक्ष/मंत्री उनका फॉर्म भरे।

नोट : त्रैमासिक संकल्प का यह आखिरी माह है, अधिक से अधिक बहिनों को इससे जोड़ने का प्रयास करे।

अधिक जानकारी के लिए संयोजिका :
श्रीमती जूली मेहता- 9833974517, श्रीमती अलका बैद- 9352774011

# स्वस्थ परिवार-स्वस्थ समाज के अंतर्गत अभातेममं. का एक अभिनव उपक्रमः कैंसर जागरूकता अभियान : मुश्किल है पर नामुमकिन नहीं

गत वर्ष 4 फरवरी, 2024 'विश्व कैंसर दिवस' पर प्रारंभ हुए इस अभियान के एक वर्ष की सम्पन्नता पर 16 फरवरी, 2025 को अभियान की पूर्णाहुति पर एक आयोजन **Zoom session** के माध्यम से किया गया। अभातेममं. ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा ने नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से **session** का प्रारंभ करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष की इस दूरगामी सोच के साथ इस अभियान को समयोचित्त बताया। आपने कहा कि इस अभियान की संयोजिका एवं शाखा मंडलों ने सक्रियता एवं जागरूकता के साथ अपनी सहभागिता दर्ज करवाई। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने उपस्थित महानुभावों का अभिनंदन करते हुए इस अभियान से जुड़े सभी डॉक्टर्स का सहृदय आभार व्यक्त किया एवं अभियान के प्रति अपने विचारों की प्रस्तुति देते हुए कहा कि शाखा मंडलों के पुरुषार्थ, सक्रियता एवं जागरूकता से ही यह अभियान सफलतम हुआ है। अभियान की संयोजिका एवं सह संयोजिका धन्यवाद की पात्र है। संयोजिका श्रीमती अनिता बरड़िया ने पूरे वर्ष पर्यन्त डॉक्टरों से सम्पर्क, प्रतिमाह के कार्यक्रम आदि सेट करने में बहुत श्रम किया है।

**Zoom** में उपस्थित इस अभियान में सहयोगी ख्यातिलब्ध चिकित्सकों के उद्‌गार :

डॉ. ऋजुता अफाले, ठाणे (मुम्बई) ने इस अभियान की भरपूर सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अभियान संस्थाएं एक माह से ज्यादा नहीं चला पाती पर अभातेममं. ने इसे सफलतापूर्वक एक वर्ष चलाकर जन-जागरण के लिए बहुत अच्छा काम किया है, आगे भी आप इसे अनवरत चलाने का लक्ष्य रखें।

डॉ. मधु साई राम, कोयम्बटूर ने कहा- आपकी मंडल की बहिनें बहुत कर्मठ और उत्साही है। उन्होंने सुझाव दिया कि अभातेममं. को हर क्षेत्र में अपना एक **Cancer Support Group** बनाना चाहिए, जिससे वह कैंसर पीड़ितों को मानसिक रूप से भी मदद कर सके क्योंकि आर्थिक सहयोग फिर भी आसान है पर **emotionally support** करने में महिलाएं ही सक्षम होती है। डॉ. साई राम ने यह भी कहा कि ऐसे अभियान की निरंतरता बनी रहनी चाहिए।

डॉ. राजेश जैन, दिल्ली ने कहा कि कैंसर का एक प्रमुख कारण है नशीले पदार्थों का सेवन। सिर्फ हमारी माताएं, बहिनें ही है जो अगर ठान ले तो पुरुषों में बढ़ रहे नशीले पदार्थ के सेवन को जड़ से मिटा सकती है। घर पर भी अगर वो कड़े अनुशासन लगाये तो शायद यह गुटका आदि का सेवन जल्द ही छूट सकता है। डॉ. राजेश ने मंडल के वर्ष भर के कार्यों की अनुमोदना करते हुए आगे भी इसे जारी रखने का सुझाव दिया।

डॉ. स्नेहा लोढ़ा, चैन्नई ने मंडल के एवं कैंसर से जुड़े सभी कैंप्स आयोजन की बहुत प्रशंसा की और बेटियों को **Cervical Cancer Vaccination** लगाने पर जोर दिया और कहा कि पूरे **Variation** के साथ ये अभियान वर्ष भर चला, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग इससे जुड़े रह सके। इस प्रकार के अभियान समयानुकूल एवं सामयिक है।

डॉ. नवीन संचेती, फरीदाबाद ने बताया कि कैंसर के कारक सूक्ष्म बिंदुओं पर आपने अच्छा काम किया है- यह बहुत बड़ी बात है और सभी सम्प्रदायों की महिलाओं को एक साथ जोड़ने का प्रयास भी सराहनीय है और यह प्रयास जारी रखना, समाज के लिए अति लाभदायक सिद्ध हो सकता है। सभी डॉक्टर्स ने केन्द्रीय नेतृत्व एवं संयोजिकाओं के **professional** तरीके से काम करने के **pattern** को अनुकरणीय बताते हुए भविष्य में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिलाया।

कार्यक्रम में तेममं., जलगाँव अध्यक्ष एवं रा.का.स. श्रीमती निर्मला छाजेड़, सेंट्रल दिल्ली की अध्यक्ष श्रीमती दीपिका, अहमदाबाद अध्यक्ष श्रीमती हेमलता परमार, डोंबिवली मुम्बई की मंत्री श्रीमती अनीता धाकड़, इरोड़ अध्यक्ष श्रीमती पिंकी भंसाली, जयपुर सी-स्कीम अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञा सुराणा ने अपने विचार एवं संस्मरण प्रस्तुत किए। गर्व की अनुभूति होती है कि इस अभियान में विभिन्न क्षेत्रीय स्तरों पर जनप्रतिनिधि, विधायक, सांसद, उच्च पदस्थ सरकारी व्यक्तित्व एवं सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश आदि ने भी समर्थन व सहयोग दिया। संयोजिका श्रीमता अनिता बरड़िया ने अभियान की सम्पूर्ण झलकियाँ एक **PPT** के माध्यम से प्रस्तुत की और बताया कि अभियान में हर छोटे से छोटे क्षेत्रों ने भी उत्साह के साथ सहभागिता दर्ज करवाई है और मानसिक, आध्यात्मिक, भावनात्मक, आर्थिक आदि सभी दृष्टि से कैंसर पीड़ितों और उनके परिवारों को सहयोग दिया है। **PPT** बनाने में रा.का.स. श्रीमती वर्षा लुनिया का बहुत सहयोग रहा। कार्यक्रम का कुशल संचालन कैंसर जागरूकता अभियान की संयोजिका श्रीमती अनिता बरड़िया ने एवं आभार ज्ञापन श्रीमती नीतू बैद ने किया।

## AI Tools & Digital Marketing Workshop

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल एवं तेरापंथ कन्या मंडल के द्वारा तीन सप्ताह **AI Tools & Digital Marketing Workshop** का आयोजन **Iktara Edu** के साथ किया गया, जिसमें लगभग 350 महिलाओं एवं कन्याओं ने भाग लिया। 27 जनवरी से 17 फरवरी तक की 15 दिवसीय कार्यशाला में अलग-अलग टॉपिक जैसे- **Content Marketing, Social Media Marketing, SEO (Search Engine Optimization), Email Marketing, Google Ads and Analytics** को श्री ऋषभ पटावरी ने बहुत ही सरल एवं स्पष्ट तरीके से समझाया। अभातेममं. श्री ऋषभ पटावरी व पूरी टीम **Iktara Edu Team** का आभार ज्ञापित करता है।

इस वर्कशॉप में 3 **Assessments** दिए गए, जिन्हें पूर्ण करने के पश्चात **Certificate of Completion** प्रदान किया गया। **Top** 5 प्रतिभागियों को **Certificate of Appreciation** प्रदान किया गया। अभातेममं. से रा.का.स. श्रीमती संगीता चपलोत, श्रीमती संतोष वेदमुथा, श्रीमती मनीषा बोथरा, श्रीमती जयश्री जोगड़ और श्रीमती उषा सिसोदिया एवं तेरापंथ कन्या मंडल से सुश्री प्राची बालड़, सुश्री दिव्या नाहटा और सुश्री स्वीटी जैन ने कॉर्डिनेटर के रूप में कार्य किया। अभातेममं. सभी प्रतिभागियों का आभार ज्ञापित करता है। आप सभी के साथ और सहयोग से यह कार्यशाला सफल रही।

## 'लक्ष्य' कार्यशाला का आयोजन : कानपुर

**25 फरवरी, 2025, कानपुर।**

अभातेममं. के तत्वावधान में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा की अध्यक्षता में 'लक्ष्य' कार्यशाला का आयोजन कानपुर में हुआ। नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। मंडल की बहिनों ने सुमधुर स्वरों में मंगलाचरण किया। तेरापंथ महिला मंडल कानपुर की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी बुच्चा ने सभी का स्वागत करते हुए कानपुर महिला मंडल के कार्यों के बारे में जानकारी दी और बताया कि लगभग 12-13 वर्षों बाद केन्द्रीय मंडल अर्थात् राष्ट्रीय अध्यक्ष व उनकी टीम का अपनी धरा पर आगमन से सभी बहिनों में अति उल्लास और उमंग की लहर दौड़ गई। उत्तर प्रदेश प्रभारी श्रीमती मंजू भूतोड़िया ने साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी का संदेश वाचन किया एवं तत्वज्ञान तेरापंथ दर्शन के बारे में जानकारी दी।

अभातेममं. की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने अपने वक्तव्य में कहा कि छोटे-छोटे लक्ष्यों के माध्यम से हम बड़ी ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकते है। मंडल की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी और बहिनों को उनसे जुड़ने के लिए प्रेरित किया। महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल ने कृतज्ञता के बारे में बताया कि हमारे पास जो है, हमें उसके प्रति कृतज्ञ रहना चाहिए और हर परिस्थिति में मुस्कुराते रहना चाहिए। प्रचार-प्रसार मंत्री श्रीमती सरिता बरलोटा ने सौहार्द के बारे में जानकारी दी। राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य एवं दिल्ली, यूपी प्रभारी श्रीमती सुनीता जैन ने अपने वक्तव्य में कहा कि मात्र महिला मंडल का सदस्य बनना ही पर्याप्त नहीं है अपितु आवश्यक है कि हम मंडल के हर कार्यक्रम में अपनत्व के साथ जुड़ें और दिए गए दायित्व को भार नहीं उपहार समझे। एक श्रेष्ठ कार्यकर्ता वही है जो मंच, माला, माइक के वायरस से दूर रहकर अपने दायित्व का सजगतापूर्वक पालन करे। उन्होंने बहिनों को संस्था के संविधान एवं रजिस्टर्स के संबंध में मूलभूत जानकारी प्रदान की। मंडल की बहिनों ने अपनी जिज्ञासा को पूछा और उनका समाधान पाया। आभार ज्ञापन स्थानीय मंडल की मंत्री श्रीमती प्रभा मालू ने किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन कोषाध्यक्ष श्रीमती प्रियंका भूतोड़िया और श्रीमती ज्योति भूतोड़िया ने किया।

## हैदराबाद में प्लास्टिक क्रशिंग मशीन का अनावरण एवं बैंच का लोकार्पण

**19 फरवरी, 2025, हैदराबाद।**

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा की अध्यक्षता में राधा स्वामी कॉलोनी में कन्या विकास योजना के अंतर्गत 4 बैंचों का लोकार्पण किया गया एवं समृद्ध राष्ट्र योजना के तहत तेरापंथ भवन में सिंगल यूज प्लास्टिक क्रशिंग मशीन का अनावरण भी राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा किया गया। इस अवसर पर महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल, तेलंगाना आंध्रप्रदेश क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती वीणा बैद, तेममं., की अध्यक्ष श्रीमती कविता आच्छा, मंत्री श्रीमती सुशीला मोदी सहित स्थानीय संघीय संस्थाओं के पदाधिकारीगण एवं हैदराबाद की नारी शक्ति की गरिमामय उपस्थिति रही। राष्ट्रीय टीम ने आचार्यश्री महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेंटर का अवलोकन भी किया।

नारीलोक प्रश्नोत्तरी

# ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी

## मार्च, 2025

**सन्दर्भ पुस्तक : तेरापंथ की 9 साध्वी प्रमुखाएं (पेज संख्या 241 से 266)**

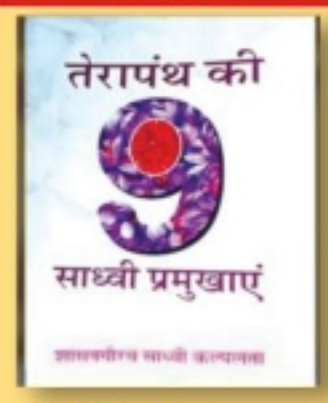




### निम्न प्रश्नों के उत्तर दें

1. परमाराध्य आचार्यवर ने सरदारशहर में कौनसे आगम ग्रंथ का हिंदी अनुवाद, टिप्पण, लेखन का निर्देश साध्वी कनकप्रभाजी को दिया?
2. बीस तीर्थंकरों की निर्वाण-स्थली बनने का गौरव कौनसे प्रसिद्ध जैन तीर्थ को प्राप्त है?
3. टीपू सुल्तान का ऐतिहासिक प्रसंग सुनाते हुए यह किसने बताया- 'सांप फण फैलाकर जिसे संरक्षण देता है, वह व्यक्ति राजा बनता है।'
4. वि.सं. 2020 में आचार्यश्री तुलसी ने साध्वी समाज में कौनसी व्यवस्था का शुभारंभ किया?
5. तेरापंथ द्विशताब्दी समारोह के आयोजन पर आचार्यवर ने कितने भाई-बहिनों को आर्षवाणी में मंत्रोच्चारपूर्वक दीक्षा प्रदान की?
6. आचार्यश्री तुलसी ने साध्वी कनकप्रभाजी को साध्वीप्रमुखा पद पर नियुक्त कहाँ पर किया?
7. साध्वी कनकप्रभाजी ने योग्यतम प्रथम वर्ष में सभी विषयों में विशेष योग्यता के साथ कितने रजोहरण का पुरस्कार प्राप्त किया।
8. 'पराग' नाम की संस्कृत पत्रिका का संपादन कौनसी साध्वी ने किया?
9. वि.सं. 2028 तद्नुसार ईस्वी सन् 17 जनवरी, 1982 का मर्यादा महोत्सव गंगाशहर में था। परमपूज्य गुरुदेव ने प्रस्तुत वर्ष में कौनसे वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की?
10. अणुव्रत पाक्षिक पत्र में बैंगलुरू चातुर्मास में आचार्यवर ने लेखन की दृष्टि से कौनसी एक नई योजना प्रस्तुत की?

### निम्न प्रश्नों के उत्तर में सही या गलत का निशान लगाएं

11. उनको मनोज्ञ, रुचिकर, स्वादिष्ट- ये शब्द साधक की दृष्टि से बहुत बौने और अनपेक्षित लगते थे, क्योंकि उनका भोजन करने का उद्देश्य मात्र जीवनयापन था।
12. प्रतिभा और पुरुषार्थ की धनी, प्रमत्त साधिका साध्वी कनकप्रभा एकनिष्ठ होकर ज्ञानयज्ञ में तल्लीन हो गई।
13. जो व्यक्ति आहार- संयम, वाणी-संयम, निद्रा-संयम तथा उपधि-उपकरण-संयम को साध लेता है, दिव्य शक्तियाँ भी उस आसक्त चेतना को नमन करती है।
14. तत्काल गुरुदेव ने पुनः घोषणा करते हुए कहा- 'आषाढ़ी पूर्णिमा को होने वाली दीक्षाओं में लाडनूं की मुमुक्षु कलावती को दीक्षा देने का भाव है।'
15. जागरूकता के साथ निरवद्य, प्रामाणिक, हितकारी, कल्याणकारी, वचन योग के प्रयोक्ता साधकों को वचनसिद्धि की उपलब्धि सहज संभाव्य है।
16. यात्रा की अतिव्यस्त दिनचर्या में भी साध्वी कनकप्रभाजी ने संस्कृत एवं प्राकृत दोनों भाषाओं की संयुक्त पत्रिका 'तरंगिणी' इस नए नाम से सम्पादित की।
17. वे कहती- 'कोई कितनी ही उड़ान भर ले, पर मेरा अंतर्मन कहता है कि साध्वी प्रमुखा पद तो साध्वी कनकप्रभाजी को मिलेगा, आप नोट कर लें।
18. कंटालिया में अभिनिष्क्रिमण समारोह में तेरापंथ द्विशताब्दी समारोह का आगाज कर आचार्यश्री मेवाड़ पधारे।
19. जिनको तेजस्वी महापुरुष की अन्तहीन ऊर्जा मिलती हो, जिनकी नियति का शुभ आलोख स्वयं विधाता लिखता हो, उस व्यक्ति का भाग्य, पुरुषार्थ, ग्रहणशील चेतना चट्टानों को चीरकर रास्ता बना लेती है।
20. मैं चाहता था आने वाले युग की अपेक्षा के अनुसार एक युवा और प्रबुद्ध साध्वी साध्वीप्रमुखा पद पर आए, जो युग की आवाज सुन सके, समझ सके और युग के अनुरूप नेतृत्व दे सके।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें : संयोजिका : श्रीमती इन्दिरा लुणिया, कटक
Mob.: 9438368264, E-mail: luniaindira@gmail.com

**Google Form submit करने की अन्तिम तिथि : 20 मार्च, 2025**

**Google Form Link : https://forms.gle/ugz1C1uNniiMTL8y7**

### फरवरी 2025 प्रश्नोत्तरी के सही उत्तर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. तीन | 2. सुजानगढ़ | 3. सतीप्रमुखाश्रीजी | 4. रेलमगरा | 5. चौदह |
| 6. हैदराबाद | 7. जलोदर | 8. छोटी देवी | 9. पन्द्रह हजार | 10. श्रद्धेय मातुश्री |
| 11. संजीवनी | 12. दण्ड | 13. सहिष्णुता | 14. दहलीज | 15. नकारात्मक |
| 16. आख्यान | 17. बीदासर | 18. अनशन | 19. रोब-रबाब | 20. आखिर |

### फरवरी 2025 प्रश्नोत्तरी के भाग्यशाली विजेता

| | | |
|---|---|---|
| 1. निकिता हिरण, चेम्बूर | 2. संगीता मुणोत, बदलापुर | 3. मधु नाहटा, बोंगाईगाँव |
| 4. इंदिरा वोरा, रतलाम | 5. वर्षा डागा, रायपुर | 6. प्रीति भंसाली, रोहिणी, नई दिल्ली |
| 7. सुशीला देवी लूणिया, जलगाँव | 8. भावना जैन, धोइंदा | 9. बबिता मालू, पूर्णिया |
| | 10. खुशबू कंथालिया, उदयपुर | |

# अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को प्राप्त अनुदान

## अनुदान सूची एवं प्रेरणा दाता

| | | |
|---|---|---|
| 1. | ओस्तवाल परिवार, भीलवाड़ा | 2,50,000 |
| 2. | तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद | 1,51,000 |
| 3. | तेरापंथ महिला मंडल, साउथ दिल्ली (भावना सेवा) | 77,000 |
| 4. | श्रीमती सरिता एवं श्रीमती प्रमिला बरलोटा, पुत्री (मौली) की शादी के उपलक्ष्य में सप्रेम भेंट, रायपुर | 31,000 |
| 5. | तेरापंथ महिला मंडल, मध्य दिल्ली (भावना सेवा) | 21,000 |
| 6. | तेरापंथ महिला मंडल, केजीएफ (भावना सेवा) | 11,000 |
| 7. | तेरापंथ महिला मंडल, कानपुर (भावना सेवा) | 11,000 |
| 8. | तेरापंथ महिला मंडल, किशनोई (भावना सेवा) | 11,000 |
| 9. | तेरापंथ महिला मंडल, कोटा (भावना सेवा) | 11,000 |

सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

**ध्यानार्थ : सभी शाखा मण्डल मार्च माह तक की Report Website पर submit करें।**

ध्यानार्थ : सभी कन्या मंडलों से निवेदन है कि आप शीघ्रातिशीघ्र मार्च माह तक किए गए कार्यों की रिपोर्टिंग आवश्यक फोटोग्राफ, वीडियो के साथ प्रेषित करें।
सम्पर्क सूत्र : जागृति जैन, +9779818678530.

**अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल**
पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी' जैन विश्व भारती, लाडनूं 341 306 (जिला- नागौर, राजस्थान)

श्री नारीलोक

**महामंत्री कार्यालय**
महामंत्री
नीतू ओस्तवाल
5-0-1&2, आर.सी. व्यास कॉलोनी,
सूर्यांश, मदर टैरेसा स्कूल के पास,
भीलवाड़ा-311001 (राज.)
मो.: 9257011205
secretary@abtmm.org

देखने हेतु
www.abtmm.org
www.facebook.com/abtmmjain/
https://bit.ly/abtmmyoutube

**कोषाध्यक्ष कार्यालय**
कोषाध्यक्ष
तरुणा बोहरा
203, 204, सांघवी एक्जोटिका,
मराठा कॉलोनी, दहिसर वेस्ट,
मुम्बई-400068
मो.: 8976601717
tarunajain365@gmail.com